CBSE Class 07 Hindi
NCERT Solutions
पाठ-02 दादी माँ

1. लेखक को अपनी दादी माँ की याद के साथ-साथ बचपन की और किन-किन बातों की याद आ जाती है?
उत्तर:- जब लेखक को मालूम हुआ कि उनकी दादी माँ की मृत्यु हो गयी है तो उनकी आँखों के सामने दादी माँ के साथ बिताईं गई कई यादें सजीव हो उठी। उसे अपने बचपन की स्मृतियाँ जैसे-गंधपूर्ण झाग भरे जलाशयों में कूदना, बीमार होने पर दादी का दिन-रात सेवा करना तथा खास तौर पर साफ-सफाई का ध्यान रखना, किशन भैया की शादी पर औरतों द्वारा किए जानेवाले गीत और अभिनय के समय बीमार लेखक का चादर ओढ़कर सोना और पकड़े जाने पर दादी माँ का उनका पक्ष लेना, साथ ही उसे रामी चाची की घटना भी याद आ जाती हैं,जब दादीमाँ ने उनकी आर्थिक मदद की।

2. दादाजी की मृत्यु के बाद लेखक के घर की आर्थिक स्थिति खराब क्यों हो गयी थी?
उत्तर:- दादाजी की मृत्यु के पश्चात् लेखक के पिताजी व भैया ने धन का सही उपयोग नहीं किया था। ग़लत मित्रों की संगति में सारा धन नष्ट कर डाला। दादाजी के श्राद्ध पर भी दादी माँ के मना करने पर लेखक के पिताजी ने अपार संपत्ति व्यय की फलस्वरूप उनके घर की आर्थिक स्थिति और बिगड़ गई।

3. दादी माँ के स्वभाव का कौन सा पक्ष आपको सबसे अच्छा लगता है और क्यों?
उत्तर:- दादी माँ का सेवा, संरक्षण, परोपकारी व सरल स्वभाव हमें सबसे अच्छा लगता है। दादी माँ मुँह से भले कड़वी थी परन्तु घर के सदस्यों तथा दूसरों की आर्थिक मदद के लिए हर समय तैयार रहती थी।आवश्यकता के समय दादाजी की अन्तिम निशानी सोने का कंगन देकर घरवालों की मदद की, रामी चाची का कर्ज माफ़ कर उसे नकद रूपए भी दिए ताकि उसकी बेटी का विवाह निर्विघ्न संपन्न हो जाए। इन्हीं कारणों से ही वे दूसरों का मन जीतने में सदा सफल रहीं।

4. आपने इस कहानी में महीनों के नाम पढ़ें, जैसे - क्वार, आषाढ़, माघ। इन महीनों में मौसम कैसा रहता है, लिखिए।
उत्तर:- क्वार - इस महीने में न तो अधिक गर्मी और न ही अधिक सर्दी होती है अर्थात् हल्की-हल्की ठंड रहती है। आमतौर पर मौसम साफ़ रहता है।
आषाढ़ - वैसे यह मौसम वर्षा का होता है परन्तु इस महीने वर्षा न हो तो गर्मी बढ़ जाती है।
माघ - इस महीने में अत्यधिक सर्दी होती है।भयंकर सर्दी से सभी का बुरा हाल होता है।

5. 'अपने-अपने मौसम की अपनी बातें होती हैं' - लेखक के इस कथन के अनुसार यह बताइए कि किस मौसम में कौन-कौन सी चीज़ें विशेष रूप से मिलती हैं?
उत्तर:- क्वार के महीने में तरबूज, खरबूज, फालसे और लीची मिलते हैं।
आषाढ़ के महीने में आम, जामुन और खीरा मिलते हैं।

माघ के महीने में अंगूर, केले, अमरुद और गुड़ मिलता है।

• भाषा की बात

6. नीचे दी गई पंक्तियों पर ध्यान दीजिए -
जरा-सी कठिनाई पड़ते
अनमना-सा हो जाता है
सन-से सफेद
समानता का बोध कराने के लिए सा, सी, से का प्रयोग किया जाता है।
ऐसे पाँच और शब्द लिखिए और उनका वाक्य में प्रयोग कीजिए।

उत्तर:- 1.नीला-सा : आकाश नीला-सा हो गया है।
2.रुई-से : नानीजी के बाल रुई-से सफ़ेद हो गए थे।
3.मिश्री-सी : बाल कृष्ण की बातें गोपियों को मिश्री-सी लगती थीं।
4.चाँद-सा : उसका चेहरा चाँद-सा गोल है।
5.सागर-सी : उसकी आँखों में सागर सी गहराई है।

7. कहानी में 'छू-छूकर ज्वर का अनुमान करतीं, पूछ-पूछकर घरवालों को परेशान कर देतीं' - जैसे वाक्य आए हैं। किसी क्रिया को ज़ोर देकर कहने के लिए एक से अधिक बार एक ही शब्द का प्रयोग होता है। जैसे वहाँ जा-जाकर थक गया, उन्हें ढूँढ़-ढूँढ़कर देख लिया।
इस प्रकार के पाँच वाक्य बनाइए।

उत्तर:- 1.बच्चे अपने उत्तरों को बोल-बोलकर याद कर रहे थे।
2.उस नन्हें बच्चे की शरारतों को देख-देखकर हम थक गए थे।
3.ज़ोर-ज़ोर से चिल्लाकर तुम क्या साबित करना चाहते हो?
4.बार-बार उसके उस सवाल करने से हम तंग आ गए थे।
5.पुलिस ने अपराधी को पीट-पीटकर अधमरा कर दिया।

8. बोलचाल में प्रयोग होनेवाले शब्द और वाक्यांश 'दादी माँ' कहानी में हैं। इन शब्दों और वाक्यांशों से पता चलता है कि यह कहानी किसी विशेष क्षेत्र से संबंधित है। ऐसे शब्दों और वाक्यांशों में क्षेत्रीय बोलचाल की खूबियाँ होती हैं।

उदाहरण के लिए - निकसार, बरह्मा, उरिन, चिउड़ा, छौंका इत्यादि शब्दों को देखा जा सकता है। इन शब्दों का उच्चारण अन्य क्षेत्रीय बोलियों में अलग ढंग से होता है, जैसे - चिउड़ा को चिड़वा, चूड़त्र, पोहा और इसी तरह छौंका को छौंक,तड़का भी कहा जाता है। निकसार, उरिन और बरह्मा शब्द क्रमशः निकास, उऋण और ब्रह्मा शब्द का क्षेत्रीय रूप हैं। इस प्रकार के दस शब्दों को बोलचाल में उपयोग होनेवाली भाषा/बोली से एकत्र कीजिए और कक्षा में लिखकर दिखाइए।

उत्तर:- काहे, बंदा, किरपा, कार-परोजन, लचमन, आपा, भनक, घना, बटेऊ आदि।